BHARTIYA VIDYA MANDIR SENIOR SECONDARY SCHOOL
SECTOR-39, CHANDIGARH ROAD, LUDHIANA
SYLLABUS OF CLASS: XII - MUSIC (2026 - 27)

Sequence	Month	Topics	Pedagogy	E - Content	Learning outcomes:-
1.	April	अलंकार, कण, मीड ,खटका , **मुर्की** गमक . अलाप। संगीत रत्नाकर। राग परिचय:- राग भैरव, ताल परिचय लयकारी सहित :-धमार	विद्यार्थियों को सबसे पहले सरल भाषा में इन संगीत तत्वों का अर्थ समझाया जाएगा जैसे अलंकार स्वरों की सजावट, ग्राम प्राचीन स्वर व्यवस्था ,मोर्चना किसी स्वर से आरंभ होकर क्रमिक स्वर चलन ,मीड एक स्वर से दूसरे , स्वर तक खींच कर जाना खटका तेज गति से स्वरों का स्पर्श। हारमोनियम या , गायन द्वारा प्रत्येक विषय का प्रदर्शन करें।	https://youtu.be/oKuvr9GwRH8?si=c_lUuSVcy2eKXo1L	परिभाषाओं से विद्यार्थी इन परिभाषाओं के बारे में यह सीखेंगे की इन्हें संगीत की भाषा में कैसे प्रयोग में लाया जाता है? अपनी गायन के हिसाब से बच्चे सीखेंगे की तबले पर जो ताले बजाई जाती है उन्हें हाथों पर हम कैसे उनका प्रयोग कर सकते हैं क्या हाथों पर भी वैसे ही वह बजाई जाती है जैसे तबले पर बजती है।
2.	May	रागों का समय सिद्धांत जीवन परिचय ;-बड़े गुलाम अली खान, फैयाज खान। राग बागेश्वरी स्वरलिपि सहित।	यहां पर कौन से राग प्रातः काल गाए जाते हैं । रात्रि कालीन रागों का प्रभाव कैसा होता है ?समय सिद्धांत का संगीत में क्या महत्व है? समय अनुसार राग पहचान राग और उसके समय का मिलान विद्यार्थियों को समूह में बाटकर प्रत्येक समूह को एक समय विशेष का राग दिया जाए वह उसे राग के भाव समय और प्रकृति का चार्ट बनाएं । विद्यार्थी अभिनय या कविता द्वारा राग के वातावरण को प्रस्तुत करें और राग के समय को पहचाने।	https://youtu.be/-49wMln9GhU?si=7g1MSqWnRLhOHz_F	रागों का समय सिद्धांत यह दर्शाता है कि रागों का जो गायन समय निर्धारित होता है वह किस आधार पर निर्धारित किया जाता है इससे बच्चे यह सीखेंगे उन्हें पता लगेगा कि अगर किसी राग में कोई कोमल स्वर है या शुद्ध स्वर है तो उसके आधार पर रागो का गायन समय कैसे निर्धारित किया जाता है
3.	June	SUMMER BREAK			SUMMER BREAK
4.	July	परिभाषाएं:- ग्राम मूर्चना तान। पंडित कृष्ण राव जी, कौशिकी चक्रवर्ती जी राग भैरव, विलंबित ,व द्रुत ख्याल राग विस्तार, राग बागेश्री परिचय ताल धमार उपरोक्त सभी विषयों से संबंधित वस्तुनिष्ठ प्रश्न	ग्राम मूर्चना क्या होती है राग में तानो का प्रयोग किस तरह से किया जाता है ?राग भैरव का विलंबित ख्याल कौन सी लय ,कैसे गाया जाता है , द्रुत ख्याल को, यह सब हम हारमोनियम और तबले पर गा बजा कर ही जान सकते हैं।	https://youtu.be/Eej_IbgPkwk?si=BymTLiKzyRjJmVNP	यहां विद्यार्थी सभी संगीतकारों के जीवन परिचय के बारे में जानेंगे और उन्होंने अपनी संगीतिक जीवन में क्या कुछ हासिल किया कौन सी उपलब्धियां उन्हें मिली । इसके अलावा राग विस्तार करना स्वर समुदाय से रागों को कैसे पहचाना जाता है राग की क्या पहचान है

5.	August	**तानपुरे की व्याख्या और उसको मिलाने की विधि उसके अंगों सहित।** बड़े गुलाम अली खान। संगीत पारिजात, **स्वर विस्तार** ताल रूपक, झपताल **परिचय व लयकारी सहित।**	तानपुरा का चित्र बनाकर उसके अंगों का विश्लेषण करना और मिलाने की विधि सीखना ,गुलाम अली खान की भाव एवं अलाप शैली का विश्लेषण करना। संगीत परिजात क्या है ?उसके लेखन में क्या है? उनके लेखक कौन है? और उन्होंने इस ग्रंथ में किन चीजों का विश्लेषण किया है ?यह सभी जानकारी विद्यार्थियों को लेनी चाहिए।	https://youtu.be/fN1wKWxwCmU?si=faY-Cp1vu74Z-ZyP	यहां विद्यार्थी तानपुरा वाद्य के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे कि वह कैसा दिखता है और उसे कैसे प्रयोग में लाया जाता है शास्त्रीय संगीत में उसका क्या महत्व है और इसके अलावा संगीत परिजात नामक ग्रंथ का पूर्ण विस्तार से जानकारी प्राप्त करेंगे और तालों की लयकारी हाथ पर अभ्यास करेंगे।
6.	September	राग मॉलकौस, भैरव, बागेश्वरी की स्वरलिपियां गायन और लिखित में और उनका अभ्यास। सभी रागों के आरोह ,अवरोह ,पकड़ ,वादी ,संवादी गायन समेत सभी की संपूर्ण जानकारी। राग पहचानना , तथा उपरोक्त सभी विषयों से संबंधित वस्तुनिष्ठ प्रश्न।	दिए गए स्वर समुदाय से राग पहचान जैसे सा से प्रारंभ करके क्रमश राग के स्वरों में विस्तार करना मंद्र मध्य और तार सप्तक में सवर संरक्षण का अभ्यास ,छोटे-छोटे आलाप बनाकर विद्यार्थियों से स्वयं गवाना, समान स्वरों वाले राघव की तुलना करवाना । राग पहचान और विस्तार के लिए हमें हारमोनियम का और लय का भी इस्तेमाल करना होगा।	https://youtu.be/8lCb2Ml0jcw?si=sNOxgS_vwYgddZzK	दिए गए सभी रागों की स्वरलिपि लेखन तथा गायन का अभ्यास विद्यार्थी गण करेंगे जिससे उनका स्वरलिपि लेखन तथा गायन परिपक्व होगा और उसमें वह दक्षता हासिल करेंगे।
7.	October	विभिन्न विशेषताओं सहित रागो की ताने बनाना ,आधुनिक शास्त्रीय गायको का परिचय ,आधुनिक गायक जैसे कि वह ऋतिक सन्याल जी उदय भावलकर जी और रतन मोहन शर्मा जी।	वर्तमान काल के गायको की जीवनियों को पढ़ना उनसे , संबंधित वीडियो देखना उनके जीवन से संबंधित जानकारी प्राप्त करनी चाहिए ,जिससे विद्यार्थी उनकी नई-नई गायन की तकनीक को पहचानेंगे और उनका अनुसरण करके और विषय में कुशलता प्राप्त करेंगे।	https://youtu.be/yHjKlXtXvos?si=tGeyWkl6KAv45BIn	इसके माध्यम से विद्यार्थी सीखेंगे की तानों का अभ्यास कैसे किया जाता है उन्हें लिखित रूप में लिखना कैसे हैं और आधुनिक कलाकारों की गायन शैली के बारे में वह ज्यादा से ज्यादा ज्ञान हासिल करेंगे
8.	November	Practice of full syllabus			Practice of full syllabus